

DPN 6137

Title : सती वनेया खं कने विधि व मेमेगु
SATI VANEYA KHAM KANE VIDHI VA MEMEGU

Run. No. 6828

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / नेपालभाषा भाषा, हिन्दु धर्म का
Sanskrit text with Nepali translation.

Size in cms. 22.2 x 8

Folios 29

Lines (in a page) 5/6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्राणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 914

Ruler / place

Phanindra Ratna Vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

रूपाली : बुद्धी माला गाथा स्तुति व मेमेगु विधि
स्तुति ३ कु.

Material : palmleaf / paper / thyaasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

This codex also contain Mangala
gāthā and Vaidya hymn texts also.

ॐ नमो वज्रसत्पाय नमः ॥ सति ओडया ख कने विधि ॥ ये ना लिः ॥ स्वामि ओ प्रीत्या
स्वामि भक्त्या इचोलीणि : सहगामि स्वयंमत्वः सलो धं (?) प्रानातेक चोन ॥

उवाह मिसा अनया स्वामिओ प्रान लोलु स्वयाओ : स्वामि ओ प्रीतिन,
स्वामि भक्तिन : स्वामिओ सशान्तन पुलुषओ मापं सति ओडाओ प्रान लेले
धन भालये ॥

समाप्ति वाक्य (Conclusion)

शति सति ओडुंया धलम विधि समाप्त ॥ शुभ ॥

१ॐ

२ॐ

सस्यकात्नी काय नमा वृथाय नमा वृथाय नमा सधाय

मजसलाय मातासवायसम रु

१ॐ नम

द्वे

१ॐ नम गुरुय

सती वनेया खँ कने व मेमेगु

फरणी नरत वजाचार्य

ज

नभा वजस बायन मः॥ मति ड ड या र व क न वि वि ॥ य ना लिः॥ सामि अ प्री
 ल सामि र क र्या नू ताली ॥ धिः सह ग म मि स यं म त्वः स सा धं प्रा ना न क सा न ॥
 ॥ गत क्र मि सा जन याः सामि अ प्रा न ता ल ड स य आः सामि अ प्री नि न स
 मि र कि नः सामि अ स गं त ग न य लू य अ ना यः म ति ड ड ड प्रा न ता न न ध क
 ल तू या ॥

न

रु व सामि नि ॥ ॥ च क वि त न सामि या ना म का या ड सामि
 ड स ड मि ॥ ॥ ग नू व ज नि र क्रा तं गृ सा यि र व न म दा ॥
 र द य द स म ध स र य प्रा ना नि नि त स ॥ ॥ ह न ग व क्र मि सा जन हं सामि सा ड
 न न ह न प्रा न ता ल न थ ड मा म व वः मि त नू न ग प्री तिः ता कः त न ना ड वः
 ग क न ध क स ति ड नि ड थ य प ल य ना क य ति गृ स म र व ड ग या दा या रु त

ज

0

CMS

5

10

15

20

हनुताकः पूर्णकवनि नृपदानयादायादुलनाकः थथिगुसीयाअधिब्रमा
अयसमस्तसपामकायाअःस्वामियानामकाअःअकचित्तयाडाअःपानत्याग
अःअनियन्ताक॥ ॥थनगुनमनुनदलकःवरवत्रिविसजना॥सूज
अवेयाहाउःताद्यानशेवियसूजदेडाअपयकददकानत्यायकधूनकाशाः
सूजयातगुधवियक॥ ॐ॥ॐनमाःरुगवलाज्जदित्यायचतनसहिनाः

यथाकृतनः पमनागः वधूकः कृणु मः स विगयलच्छ वासयः पश्चत कवनः गः
 वदजच्छे प्रविनायकः तुलंवा नथ सदिमा लवा यः दवदानडा कलादा किललिनः
 नसदिनायः जू पञ्चल रर गवन मनु आतां हि नाया ॥ १० ॥ दंगरु मजल मधः
 अनुपविस्मः ॥ ११ ॥ दज्ज न गधः पश्चधूप दिव यहाल विलिच्छुनि गृह्णातां
 समेकनः यस्याकि यत्नत स्यावलि कलारु वैभानि यष्टि कलः लच्छुत्रिय जत्मतन

ॐ

यादृक्ताम ॥ ३ ॥ पुण्यदायनागा नदन्तु रिकुनि क्लानसरासरासा मात्रिसिमात्रमासा सकलर
 यदनापिनव भूनिवक्ता मायुलिमा मकिव क्रियिनीहि नकना यादनायायनाप्र कृताम ॥ ४
 ॥ गाधनिजागसीच ऊजानदी नकना राककाभाकृष्णगु वायादिवजहस्रागसिंदरस सूध गा
 धर्मका नष्टविच कयनी क्लानसना धजनिदी नकना राककाभावसीर कृताम ॥ ५ ॥ विद्या
 मायाश्चहावनागा यनि नवीनवस सात्रधिधूपडा जा वेलासी गाधवजा पदसि नवदना स्वर्गनी
 ज्ञाननागा समी वृद्ध स्याडि सकलर यदना सात्रधियिपुडा जा कृताम ॥ ६ ॥ विष्णुसत्याधर्म

ॐ

ॐ

यकं यगिजितवस यवम शरद कृष्ण वस्योत्पिनीय क्रियिनदी यजहा कोखना वाधिवृक् श्रीमद्य
 वावनात्र सुलननक्षमिन् श्रीरुत्र सरतचक्र कृताम ॥ ७ ॥ अर्चंदवाजयम धजवसकलस स्या
 मतमक सूय दासादि पृथक्कृत् अक्षिजत्रवयध वजयधुनिधमनी वृद्धानी प्राणि य स्रजगत
 नमिनै हासासा स्या विगण कृताम ॥ ८ ॥ निमंगलागमथाकृतं समाप ॥ ९ ॥
 असिवाशापत्रिकनपत्रिक धर्मकायनवाह निरु मसखया रं च र संरागाकाय कव
 नदि विधिनाग्रनिमानका य सख कलगवानवलयक वजस खडावठ सत्वयागा ॥ १०

ॐ

CMS

5

10

15

20

[illegible]

0 5 10 15 20

C.M.S.

[illegible][illegible]

ॐ
शुभम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सती वनेमा रवे वने व मेमेगु
-फरातीनु रवे वजाचार्य

कनकगंगा कनक दया ज्ञाने

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

5

उ नम

हडंनं वाव द्वाया गुन शान भाध आश काल नन मां संघाथ शाह डंनम
 कृष्णी कृम च श्रय व वा सिदि व द थ सुदाथ क मथ मंरु वाय म व ल य ल य
 य म द व थ व ऊ का ट क म रू कं दाय ल य म दाय क कालि दाय क (मं) गं ग वं
 कि मं कि च क मियु (मं) मय रू कं य म सिदि न धान वा न न न द न द यि मं द ल च मं द न व द
 का दान न द का क च म्य का दि रु (मं) रि कं का क क क द्या ठ ल म च वा ग क क ल द्या मी मं न
 वायु धि मा ल मि क म द क क म म ध्र ल म ध्र का वि का छि कं म ल्लि का सि ग वा म ल दान न द्या नि ड (मं) म मा वा च

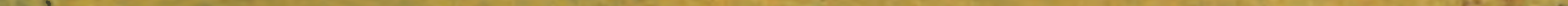
(मं) ३३

10

15

वि वि धि मो च रु मि च मा गु वा वि च द्या ध नि य वि कं म क च द्र द्या न वि म्भ म ध्र वा च म्भु कि मं द म्भु धि वं
 ३ ल वा च वा न य वा म दि म्भ वा धि वा द दि रु धि मं म च म्भ वा च म्भु ल वा च व च क च द न च
 डि मं म्भु ग ल म्भु म्भु च क ग ल म्भु क क वा दि च मि री य क्का रि मं द क द्या वि म्भ न म्भु ना च म्भु वि क्क म्भु म्भु च क
 ४ वा य द चि व द चि द म्भु रू च द क द्या धि वा म्भु ना ना चि द च वा धि म्भु रू च ल की लि वा दि मि वा द
 मं वा धि व मो च द म्भु म्भु च न ल म्भु न क क्क की वा च द हा व व व क्क वा ल नी क्क
 नं न द मा मी प वा प न प न सूरु म्भु म्भु य वी रु ॥ १ ॥ नु न ल स म्भु

0

[illegible]

100

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

15

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वमोक्षदायका ॥ ६ ॥
सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वशत्रुघ्न ॥ ८ ॥
सर्वदुष्टनाशक ॥ ९ ॥
सर्वसुखदायक ॥ १० ॥

10

5

0

CMS

5

10

15

20